

PLANT DESCRIPTION

पौधा का नाम – पारिजात / हरसिंगार / शीफालिका

सामान्य नाम (Common Names) – Parijat, Night-flowering Jasmine, Coral Jasmine

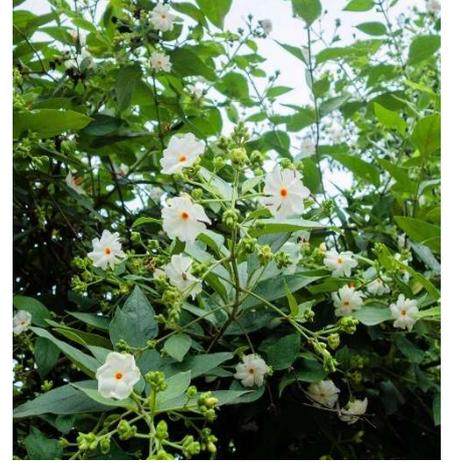
वनस्पतिक नाम (Botanical Name) – *Nyctanthes arbor-tristis*

- कुल (Family) का नाम – Oleaceae



पौधा का स्वभाव

- यह एक छोटा सदाबहार या अर्धपर्णपाती झाड़ीदार वृक्ष है।
- ऊँचाई – लगभग 3 से 10 मीटर तक बढ़ता है।
- तना (Stem) – खुरदरा, धूसर रंग का और कभी-कभी थोड़ा झुका हुआ।
- पत्तियाँ (Leaves) – चौड़ी, खुरदरी और विपरीत दिशा में लगी होती हैं।
- फूल (Flowers) –
 - अत्यंत सुगंधित, सफेद रंग के और बीच में नारंगी केंद्र (orange tube) वाले।
 - फूल रात में खिलते हैं और सुबह झर जाते हैं — इसी कारण इसे “रात की रानी” या *Night-flowering Jasmine* कहा जाता है।
- फल (Fruits) – छोटे, चपटे, दो खंड वाले (bilobed) कैप्सूल जैसे।



पौधे की प्रकृति / स्वभाव

- धूप और छाया दोनों में उग सकता है।
- जलवायु सहनशील – गर्म और आर्द्र वातावरण पसंद करता है।
- यह सुगंधित और धार्मिक महत्व वाला पौधा है।

✂ उपयोग

1. सजावटी उपयोग 🌸

- घरों, मंदिरों और बगीचों में सजावटी पौधे के रूप में लगाया जाता है।
- रात्रि में इसकी सुगंध वातावरण को मनमोहक बना देती है।

2. धार्मिक उपयोग 🙏

- हिंदू धर्म में भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी को अर्पित करने के लिए इसके फूलों का विशेष महत्व है।
- पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों में फूलों का उपयोग।

3. पर्यावरणीय उपयोग 🌿

- वायु शुद्ध करने में सहायक।
- इसके फूलों से प्राकृतिक सुगंधित तेल और परफ्यूम बनाए जाते हैं।



औषधीय उपयोग (Medicinal Uses)

➔ पारिजात एक प्रसिद्ध आयुर्वेदिक औषधीय पौधा है। इसके सभी भाग — फूल, पत्तियाँ, छाल और बीज — औषधि के रूप में उपयोग किए जाते हैं।



1. पत्तियाँ (Leaves)

- ज्वर (Fever) – विशेषकर मलेरिया और डेंगू के बुखार में इसके पत्तों का काढ़ा दिया जाता है।
- जोड़ों का दर्द (Arthritis) – सूजन और दर्द में राहत देता है।
- लीवर टॉनिक – यकृत को मजबूत बनाता है।



2. फूल (Flowers)

- शीतल, सुगंधित और हृदय को शांति देने वाले।
- चर्म रोग, रक्त विकार और पित्त दोष में उपयोगी।
- चाय या हर्बल ड्रिंक के रूप में शरीर को शांत और शुद्ध करता है।



3. छाल (Bark)

- कड़वी और ज्वरनाशक होती है।
- बुखार, पेट के रोग और त्वचा संक्रमणों के इलाज में उपयोग।



4. बीज (Seeds)

- कब्ज, पाचन विकार और मूत्र संबंधी समस्याओं में लाभदायक।



सावधानी

- अत्यधिक मात्रा में सेवन से पेट में जलन या मितली हो सकती है।
- औषधीय उपयोग वैद्य या विशेषज्ञ की सलाह से ही करें।



विशेष तथ्य

- पारिजात का उल्लेख पुराणों में दिव्य स्वर्गीय वृक्ष के रूप में हुआ है, जो समुद्र मंथन से निकला था।
- इसे “हरसिंगार” कहा जाता है क्योंकि फूल सुबह “हर” (भगवान शिव/सूर्य) को अर्पित किए जाते हैं।
- फूल झड़ने पर भी सुगंध बनाए रखते हैं, इसलिए इसका नाम “arbor-tristis” (दुखी वृक्ष) पड़ा।